दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 13 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 317

महत्वपूर्ण एवं खास

दिल्ली शराब नीति मामला : एससी पहुंचे केजरीवाल, सीबीआई से संबंधित मामले में हाईकोर्ट के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े केंद्रीय जांच ब्यूरो मामले में उनकी गिरफ्तारी को रद्द करने से इनकार करने वाले हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। केजरीवाल ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दिल्ली आबकारी नीति मामले में जेल से रिहाई की मांग की। केजरीवाल ने सीबीआई मामले में जमानत के लिए भी शीर्ष अदालत में याचिका दायर की है। अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सोमवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ के समक्ष तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किए जाने की उम्मीद थी। अपनी गिरफ्तारी और रिमांड आदेशों को चुनौती देते हुए केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से जमानत मांगी है। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के 5 अगस्त के फैसले पर सवाल उठाया है, जिसमें कहा गया था कि केजरीवाल की गिरफ्तारी न तो अवैध थी और न ही बिना किसी उचित आधार के थी क्योंकि सीबीआई ने उनकी हिरासत और रिमांड को सही ठहराने के लिए 'पर्याप्त सबूत' पेश किए थे।

कबूतर पकड़ने के दौरान तीन लोगों की करंट से मौत

उज्जैन (आरएनएस)। कबूतर पकड़ रहे तीन लोगों की खेत में टूटकर गिरे तारों की चपेट में आकर करंट लगने से मौत हो गई। घटना गांव भुवांसा की है। मृतक रतलाम जिले के गांव नायन के रहने वाले थे। वे खेत में शनिवार को कबूतर पकड़ रहे थे। इसी बीच तेज हवा से बिजली का तार डीपी सी टूटकर खेत में गिर गया।

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने को चुनौती देने वाली याचिका की खारिज

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कथित पेपर लीक के आधार पर यूजीसी-नेट 2024 परीक्षा रद्द करने को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, परीक्षा रद्द हुए करीब दो महीने बीत चुके हैं और अब नए सिरे से परीक्षा अगले कुछ दिनों में आयोजित की जाएगी। इस मामले को देखते हुए, वर्तमान चरण में संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका पर विचार करने से केवल अनिश्चितता बढ़ेगी और इसका परिणाम घोर अराजकता होगा। पीठ में जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि इसी तरह की राहत की मांग करने वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) को पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। यूजीसी-नेट अभ्यर्थियों के एक समूह ने याचिका में परीक्षा को नए सिरे से आयोजित करने के निर्णय पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। अधिवक्ता रोहित कुमार के माध्यम से दायर याचिका में दावा किया गया है कि सीबीआई जांच के दौरान हाल ही में सामने आए नतीजों को देखते हुए पूरी परीक्षा रद्द करने का फैसला न केवल मनमाना है, बल्कि अन्यायपूर्ण भी है। याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में तर्क दिया, परीक्षा रद्द होने से उम्मीदवारों को काफी परेशानी, चिंता और संसाधनों की अनावश्यक बर्बादी हुई है। इस फैसले ने अनगिनत छात्रों की अकादमिक और पेशेवर योजनाओं को बाधित किया है, जिससे परीक्षा प्रणाली में उनका विश्वास कम हुआ है। झूठे सबूतों के आधार पर परीक्षा रद्द करना न्याय की घोर विफलता है। यह भारत के संविधान में निहित निष्पक्षता और समता के मौलिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। याचिका में सीबीआई जांच पूरी होने तक परीक्षा पर रोक लगाने की अपील की गई थी और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में तत्काल जांच की मांग की गई। 19 जून को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने देश के विभिन्न शहरों में एक दिन पहले आयोजित हुए यूजीसी-नेट 2024 परीक्षा को निरस्त कर दिया था। परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी की आशंका थी।

सावन के चौथे सोमवार बड़ा हादसा, सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत; कई घायल

जहानाबाद । आरएनएस

बिहार के जहानाबाद जिले में सावन के चौथे सोमवार बड़ा हादसा हुआ है। वाणावर स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में सोमवार सुबह भगदड़ मच गई। इसमें छह महिलाओं समेत सात लोगों की मौत हो गई।

सावन के चौथे सोमवार के चलते सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ सोमवार देर रात से ही लगी हुई थी। यह घटना सोमवार को रात करीब 1:00 बजे घटित हुई।

बताया जा रहा है कि मंदिर में दर्शन को लेकर कुछ श्रद्धालुओं में कहासुनी हुई। इस दौरान पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। इसके बाद मंदिर में अचानक भगदड़ मच गई।

जहानाबाद के नगर थाना प्रभारी दिवाकर कुमार विश्वकर्मा ने कहा, मंदिर में भगदड़ मचने के कारण कुछ लोग दब गए, जिनमें से सात लोगों की मौत हो गई। जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।

जदयू के जिलाध्यक्ष दिलीप कुशवाहा ने श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताया। उन्होंने कहा, मंदिर में भदगड़ की जानकारी मिली थी। मौके पर पहुंचे तो पता चला कि लगभग सात लोगों की मौत हो गई। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रविवार रात से ही मंदिर में भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी और इसके बाद सोमवार तडक़े वहां भगदड़ मच गई। फिहाल पुलिस ने सभी सात शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस प्रशासन द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य चल रहा है।

सीएम नीतीश ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये देने का किया ऐलान

बिहार के जहानाबाद जिल में स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में भगदड़ मच गई। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और 15 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। इस बीच, बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने घटना पर दुख जताया है और मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने का ऐलान किया है।

सीएम नीतीश कुमार ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये देने की घोषणा की है। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय दुकानदारों और श्रद्धालुओं के बीच हुए विवाद के कारण भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हुई। जहानाबाद जिला प्रशासन का भी मानना है कि प्रांगण के आस-पास से सूचना मिली है कि कुछ युवा श्रद्धालुओं और स्थानीय दुकानदारों के बीच विवाद के कारण भगदड़ जैसी स्थिति बनी।

श्रावणी मेले में पिछले सोमवार की तुलना में 12 अगस्त (सोमवार) को जिला प्रशासन ने अधिक संख्या में सिविल मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की तैनाती की थी। भगदड़ के दौरान मंदिर प्रांगण और मार्ग के संकीर्ण होने के कारण सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई। इस घटना में 16 लोग घायल हुए हैं। जिला प्रशासन की ओर से जारी प्रेस बयान के अनुसार, मौके पर मौजूद घायल श्रद्धालुओं को मेडिकल टीम एवं नियंत्रण कक्ष की सहायता से नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जिसमें 10 श्रद्धालुओं को इलाज के बाद वापस घर भेज दिया गया। सभी घायल श्रद्धालु खतरे से बाहर हैं।

बताया जा रहा है कि बराबर पहाड़ी की चोटी पर स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर की भौगोलिक स्थिति अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। अचानक हुई इस घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि, कई चश्मदीद प्रशासन पर भी सही व्यवस्था नहीं करने का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस स्थानीय विवाद में शामिल लोगों की पहचान कर रही है। इस बीच, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर मृतकों के परिवार को आपदा अनुग्रह अनुदान के तहत चार-चार लाख रुपये और घायल श्रद्धालुओं को 50-50 हजार रुपये देने का फैसला लिया गया है। भुगतान 24 घंटे में कर दिया जाएगा।

बाबाधाम से लौट रहे श्रद्धालुओं के समूह को कार ने रौंदा, 6 कांवड़ियों की दर्दनाक मौत

बागडोगरा । आरएनएस

देवघर में भगवान शिव पर जल चढ़ा कर लौट रहे 6 कांवडिय़ों की सडक़ हादसे में मौत हो गई। पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को एक कार ने टक्कर मार दी। हादसा पश्चिम बंगाल के बागडोगरा में हुआ। श्रावण माह के सोमवार को बाबाधाम से भगवान शिव पर जल चढ़ाकर कार सवार सिक्किम की ओर जा रहे थे। कांवडिए बागडोगरा रिजर्व फॉरेस्ट स्थित जंगली बाबा मंदिर की ओर से जा रहे थे। सभी फांसीदेवा के दानागंज इलाके के रहने वाले थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाबाधाम से आ रही कार अनियंत्रित हो गई और नेशनल हाईवे 31 पर चल रहे 6 लोगों को रौंदती हुई पलट गई। कार के परखच्चे उड़ गए। वाहन सवार सभी लोग घायल हो गए, जिन्हें मशक्कत के साथ निकाल कर तत्काल उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही बागडोगरा पुलिस, ट्रैफिक गार्ड कर्मी, और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। घायलों को गाड़ी से निकाला और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। सूचना मिलते ही दानागंज इलाके के निवासी और मृतकों के परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए और चीख पुकार मच गई। हादसा बागडोगरा के पास मुनि चाय बागान के निकट हुआ।

प्रत्यक्षदर्शी ने इसे आमने सामने की टक्कर बताई। उसके मुताबिक, कार बड़ी ही तेजी से जा रही थी और कांवडिय़ों का एक जत्था दूसरी तरफ से आ रहा था। लोगों के पास पहुंचते ही कार अनियंत्रित होकर लोगों को टक्कर मारते हुए नीचे जा गिरी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटनास्थल पर तैनात है।

सावन का चौथा सोमवार, काशी विश्वनाथ मंदिर का हुआ विशेष श्रृंगार, महाकालेश्वर मंदिर में की गई भस्म आरती

नई दिल्ली । आरएनएस

सावन का चौथा सोमवार आज है। सोमवार सुबह से ही जलाभिषेक के लिए मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लगी हुई हैं। इस बीच वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर का विशेष श्रृंगार किया गया है। सावन के चौथे सोमवार पर भोले बाबा को रुद्राक्ष की मालाओं से और काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया।

सावन के चौथे सोमवार की शुरुआत भी मंगला आरती से हुई। इसके बाद भगवान के दर्शनार्थ द्वार खोले गए। दर्शनार्थी उमड़ पड़े। सोमवार देर रात से ही श्रद्धालु पंक्तिबद्ध हो अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। इस बार भी आयोजन भव्य है। पुलिस प्रशासन ने व्यवस्था दुरुस्त रखी है।

पुलिस प्रशासन और काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ने काशी विश्वनाथ मंदिर आने वाले रास्तों पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की है।

श्रद्धालु वसंता ने बताया कि वे बेंगलुरु से वाराणसी बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए पहुंची हैं। सावन के दौरान वे भगवान शिव की अराधना करती हैं।

कैमूर से वाराणसी आईं कूंती देवी ने बताया कि उन्होंने अच्छे से बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन किए। बाबा अपने सभी भक्तों की मनोकामना को सुनते हैं और उन्हें पूरा करते हैं।

उधर, सावन माह के चौथे सोमवार के अवसर पर उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में भी भस्म आरती से शुरुआत हुई।

पुजारी आशीष ने बताया कि सावन के चौथे सोमवार पर भव्य तरीके से भस्म आरती की गई। दूध, दही घी से बाबा महाकाल को स्नान कराया गया और इसके बाद भगवान की पूजा की गई। हजारों भक्त लगातार बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

बता दें कि सावन के सभी सोमवार पर बाबा अपने भक्तों को अलग-अलग रूपों में दर्शन देते हैं। फिलहाल पुलिस ने महाकालेश्वर मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

ट्रक और एसयूवी के बीच जोरदार टक्कर, 5 छात्रों की दर्दनाक मौत; 2 की हालत गंभीर

चेन्नई । आरएनएस

तमिलनाडु में एमयूवी और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के पांच छात्रों की मौत हो गई। छात्र एमयूवी में यात्रा कर रहे थे। हादसे में दो छात्र घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह दुर्घटना रविवार रात तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के तिरुत्तनी के पास हुई। सभी मृतक शहर के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में पढऩे वाले इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष के छात्र थे। दुर्घटना के समय वे चेन्नई से आंध्र प्रदेश के ओंगोल जा रहे थे।

पुलिस ने बताया कि जिस मल्टी यूटिलिटी व्हीकल (एमयूवी) में छात्र यात्रा कर रहे थे, वह काफी तेज रफ्तार से चल रही थी। चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से टकरा गया। मृतक छात्रों की पहचान चेतन (24), नीतीश वर्मा (20), नितेश (20), राम मोहन रेड्डी (21) और योगेश (21) के रूप में हुई है। जबकि चैतन्य (21) और विष्णु (20) गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्थानीय लोगों, तिरुवल्लूर पुलिस और तमिलनाडु फायर एंड रेस्क्यू सर्विस को पलटी हुई एमयूवी में से शवों और घायलों को निकालने के लिए वाहन को काटना पड़ा। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारण तिरुत्तनी में चेन्नई-तिरुपति राजमार्ग पर एक घंटे से अधिक समय तक जाम लगा रहा। तिरुत्तनी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है।

नागपुर में हिट एंड रन केस, तेज रफ्तार कार ने मारी बाइक सवार दंपति को टक्कर, तीन घायल

नागपुर (आरएनएस)। महाराष्ट्र के नागपुर में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। यहां एक तेज रफ्तार कार ने पार्किंग में खड़े एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक शख्स घायल हो गया। मामला रविवार देर रात का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, एक दोपहिया वाहन पर पति, पत्नी और उनका बच्चा बैठा हुआ था। इस दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पति घायल हो गया, लेकिन पत्नी और बच्चे को मामूली चोट आई है। बता दें कि कार में पांच लोग सवार थे। पति-पत्नी और उनके बच्चे को टक्कर मारने के बाद कार सवार पांचों लोगों मौके से फरार हो गए। वहीं, घटनास्थल पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और कार सवार लोगों के बारे में पता लगी रही है। ज्ञात हो कि इससे पहले महाराष्ट्र के जलगांव जिले में हिट एंड रन का मामला देखने को मिला था। यहां एक कार सवार ने सडक़ पर खड़े लोगों को टक्कर मार दी थी। कार की टक्कर से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों सहित चार महिलाएं घायल हो गई थीं। गौरतलब है कि, 19 मई को महाराष्ट्र के ही पुणे में पोर्श कार सवार नाबालिग युवक ने दो लोगों को कुचल दिया था। नाबालिग पर आरोप था कि उसने बाइक को जोरदार टक्कर मारी, जिसकी वजह से एक युवक और युवती की मौत हो गई। नाबालिग एक बड़े कारोबारी का बेटा था, उस पर नशे की हालत में कार चलाने का आरोप था। इस हिट एंड रन केस को लेकर भी काफी हंगामा मचा था।

अमरनाथ यात्रा का 12 साल का टूटा रिकॉर्ड, दर्शन करने वाले भक्तों का आंकड़ा 5 लाख के पार

श्रीनगर । आरएनएस

अमरनाथ यात्रा के लिए इस बार श्रद्धालुओं का सैलाब चरम पर है। तीर्थयात्रा शुरू होने के पहले दिन से ही श्रद्धालु बाबा अमरनाथ के दर्शन के लिए आतुर दिखे। अभी यात्रा पूरी होने के आठ दिन शेष हैं, लेकिन दर्शनार्थियों की संख्या ने पिछले 12 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 29 जून से शुरू हुई तीर्थयात्रा में अब तक 5.10 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं। इससे पहले वर्ष 2011 की पूरी तीर्थ यात्रा में 6.34 लाख और 2012 में 6.22 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे।

इस बार यात्रा 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा को रक्षाबंधन के दिन संपन्न होगी। रविवार को 1244 श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए। इनमें 613 पुरुष, 243 महिलाएं, 8 बच्चे, 25 साधु और 355 अन्य लोग शामिल थे। अब तक दर्शन करने वालों की संख्या 5,11,813 पहुंच गई है। हालांकि, रविवार को जम्मू यात्री निवास से श्रद्धालुओं का रवाना नहीं हुआ। इस वर्ष अनुच्छेद 370 की समाप्ति के पांच वर्ष पूरे होने पर पांच अगस्त को सुरक्षा के मद्देनजर यात्रा के जत्थे को रवाना नहीं किया गया था, बाकी पूरी अवधि के दौरान यात्रा सुचारु रही।

वायनाड भूस्खलन : 150 लापता लोगों की तलाश जारी

वायनाड । आरएनएस

वायनाड भूस्खलन त्रासदी के 14वें दिन सोमवार को 150 से अधिक लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी है। राज्य में 30 जुलाई को आई प्राकृतिक आपदा में 416 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को डीएनए परीक्षण का पहला नतीजा आने की उम्मीद है। ये डीएनए उन मृतकों के हैं जिन्हें मेप्पाडी ग्राम परिषद में दफनाया गया है। अधिकारियों ने कहा कि हर एक कब्र को एक नंबर दिया गया है। डीएनए के नतीजे आने के बाद जीवित बचे लोग अपने प्रियजनों की पहचान कर सकेंगे। अधिकारियों ने कहा कि अगर पहचान के बाद उन्हें कोई और धार्मिक आयोजन या अनुष्ठान करने की जरूरत है, तो वे ऐसा कर सकते हैं।

वहीं राहत शिविरों में और उनके आसपास बने विशेष काउंटर्स पर सभी बचे हुए लोग अपने खोए हुए दस्तावेजों के लिए आज आवेदन कर सकते हैं।

100 से ज्यादा राहत शिविरों में 11 हजार से अधिक लोग रह रहे हैं। अधिकारियों ने वादा किया है कि वे लोगों को राहत शिविरों से उनके घरों और क्षेत्र के अन्य स्थानों पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। लगभग 250 बंद घरों की पहचान की गई है। अधिकारी राहत शिविरों में रह रहे लोगों को आवास आवंटित करेंगे।

पिनराई विजयन सरकार ने पुनर्वास प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत मौजूदा कर्मचारियों की मदद के लिए विभिन्न विभागों से सरकारी अधिकारियों को वायनाड में तैनात करना शुरू कर दिया है। प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य अधिकारियों, विशेषकर परामर्शदाताओं को तैनात किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वायनाड का दौरा किया था। पीएम मोदी ने स्थानीय लोगों और अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना था। पीएम ने उन्हें आश्वासन दिया था कि सरकार हर संभव तरीके से उनकी मदद करेगी।

कश्मीर में 'तिरंगा' रैली में 10 हजार से ज्यादा लोगों ने लिया हिस्सा

श्रीनगर । आरएनएस

स्वतंत्रता दिवस से पहले जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर जिले में सोमवार को एक विशाल 'तिरंगा' रैली आयोजित की गई। इस रैली में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया।

अनुमान के मुताबिक, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अगुआई में आयोजित इस रैली में 10 हजार से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। रैली डल झील के किनारे बॉटनिकल गार्डन से शुरू हुई।

प्रतिभागियों ने शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) तक मार्च किया। रैली बॉटनिकल गार्डन में समाप्त होगी, जहां प्रतिभागी वापस गार्डन की ओर मार्च करेंगे।

कैनवास हस्ताक्षर अभियान के बाद बॉटनिकल गार्डन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में देशभक्ति गीत गाए जाएंगे और देश की स्वतंत्रता के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

'तिरंगा' रैली सरकार के 'हर घर तिरंगा' अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य लोगों को अपने घर पर झंडा लगाने और भारत की स्वतंत्रता को चिह्नित करने के लिए इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करना है। शनिवार को भी केंद्र शासित प्रदेश के कई जिलों में तिरंगा रैलियां निकाली गई थीं।

5 अगस्त 2019 को संसद द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर देश के बाकी हिस्सों के साथ पूरी तरह से मिल गया।

5 अगस्त 2019 के बाद कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत की एकता और अखंडता का एक शक्तिशाली संदेश देने के लिए सभी सरकारी भवनों, स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में 15 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज फहराना अनिवार्य कर दिया गया। अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 पारित किया गया, जिसके माध्यम से सभी केंद्रीय कानून, अधिकार, विशेषाधिकार, कर्तव्य और दायित्व जम्मू-कश्मीर तक बढ़ा दिए गए।